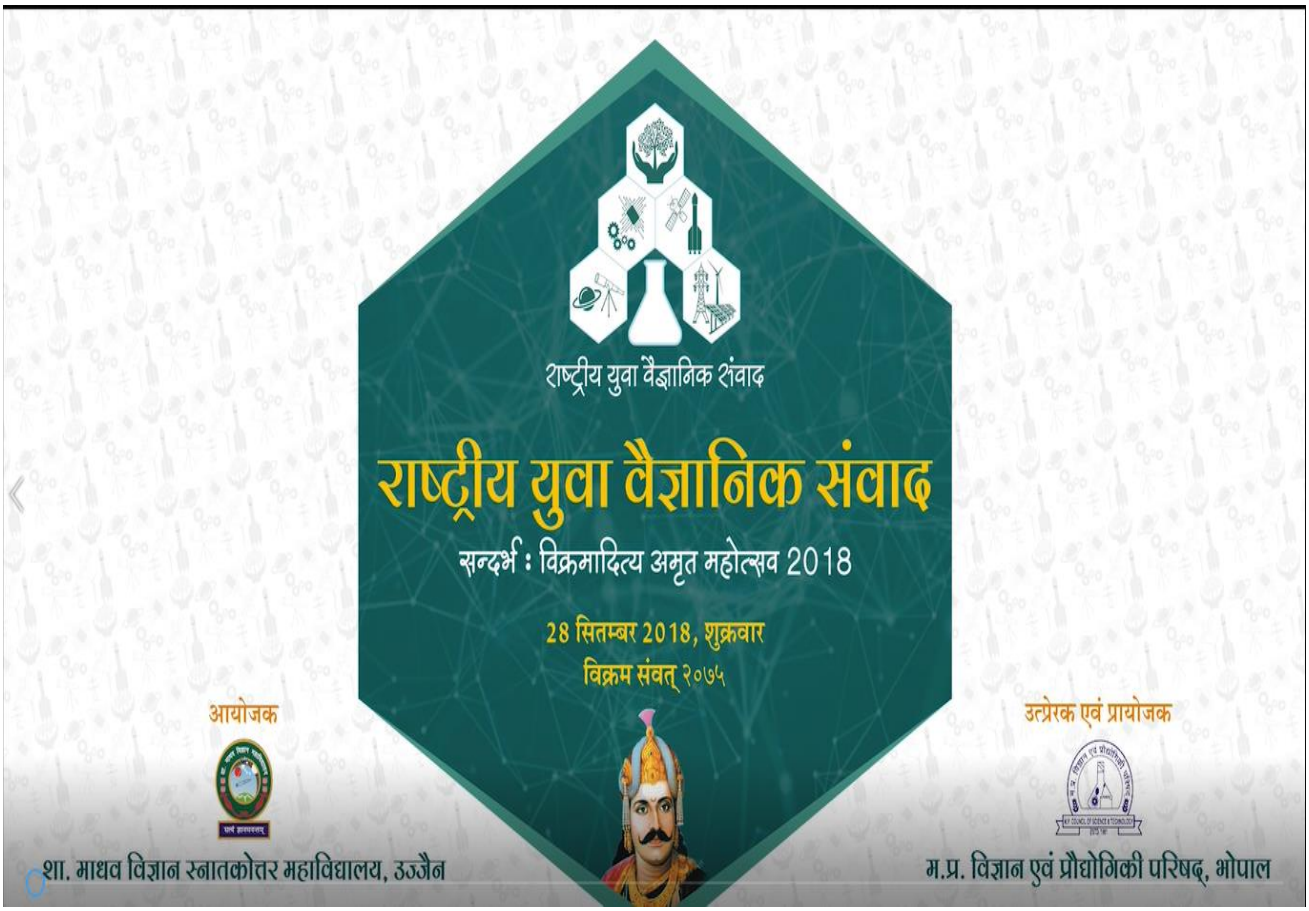

राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक संवाद

सन्दर्भ : विक्रमादित्य अमृत महोत्सव 2018

भारतवर्ष के हृदयस्थल मध्यप्रदेश का उज्जैन नगर प्राचीन काल से भारतीय कालगणना में समृद्ध रहा है और पृथ्वी पर भौगोलिक स्थिति में भी विश्व के केन्द्र के रूप में स्थित है। यहाँ राजा विक्रमादित्य और उनके नौ विधाओं के नौ रत्न से परिपूर्ण सुशासन का उत्कृष्ट, अनूठा और अद्भुत उदाहरण दुनिया के सामने विश्व के मार्गदर्शन स्वरूप रहा है। उज्जैन में कुछ वर्षों से निरंतर विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

सम्राट विक्रमादित्य का नाम भारतीय अस्मिता का प्रतीक है। विदेशी शक आक्रान्ताओं को पराजित कर उन्होने देश में सांस्कृतिक नवजागरण किया था और उस उपलब्धि के उपलक्ष्य में एक नया विक्रम संवत् प्रवर्तित किया था जो आज भी पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचलित है। विक्रमादित्य सदा नये विचार और नये वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अन्वेषण के लिय योग्य विद्वानों को प्रेरित करते थे।

तत्कृतं यन्न केनापि तद्दत्तं यन्न केनचित्।
तत्साधितमसाध्यं यद्विक्रमार्केण भूभुजा॥

(विक्रमादित्य ने वह किया जो किसी ने नहीं किया, वह दिया जो किसी ने नहीं दिया, वह साधा जो असाध्य था)

विक्रम संवत् 2075 ''विरोधकृत'' के अवसर पर पूरे वर्ष विक्रमादित्य अमृत महोत्सव का आयोजन हो रहा है। महोत्सव में व्याख्यानमाला, शैक्षणिक भ्रमण तथा युवा वैज्ञानिक संवाद का संकल्प किया गया है जो विक्रमादित्य और भारत की वैज्ञानिक सोच के नये क्षितिज को चिन्हित करेगा।

इसमें प्राचीन एवं आधुनिक काल में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जनहित के लिये इनकी उपयोगिता की विकास यात्रा को सम्मिलित किया जा रहा है।

युवा वैज्ञानिक संवाद में युवाओं, वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, शोद्यार्थियों को सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा तथा वे प्राचीन और आधुनिक नवीनतम और सटीक ज्ञान-विज्ञान, कालगणना और नवीनतम प्रौद्योगिकी और राष्ट्र निर्माण हेतु उनके लिये उपलब्ध और भविष्य में सृजित होने वाले अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

कार्यक्रम

दिनांक : 28 सितम्बर 2018, शुक्रवार

पंजीयन
प्रात: 9:30 से 10:30 बजे तक

उद्घाटन विधि समारोह
पूर्वान्ह 11:00 से 12:00 बजे तक

मुख्य अतिथि : मा. डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा
डी.एस. एण्ड डी.जी. ब्रह्मोस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : मा. श्री पारसचंद्र जैन
मंत्री - ऊर्जा विभाग, म.प्र. शासन
मा. डॉ.आर.पी. सिंह
वैज्ञानिक एस.जी. लैंड हायड्रोलॉजी डिवीज़न, इसरो अहमदाबाद

अध्यक्ष : मा. डॉ. नवीन चन्द्रा
महानिदेशक - म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल

विषय प्रवर्तन : मा. डॉ. मोहन यादव
विधायक उज्जैन दक्षिण एवं अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शा. माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन

युवा वैज्ञानिक संवाद
प्रथम सत्र
अपरान्ह 12:15 से 01:15 बजे तक
डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा (डी.एस. एण्ड डी.जी. ब्रह्मोस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
द्वितीय सत्र
अपरान्ह 01:30 से 02:30 बजे तक
डॉ. आर.पी. सिंह (वैज्ञानिक एस.जी. लैंड हायड्रोलॉजी डिवीज़न, इसरो अहमदाबाद)

कार्यक्रम स्थल : मुक्ताकाशी मंच, कालिदास अकादमी, उज्जैन (म.प्र.)

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDW
AJ11@GMAIL.COM,